भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3893 का उत्तर

ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य डिब्बे जोड़ने से लाभ

3893. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ट्रेनों में सामान्य डिब्बे जोड़ने से क्या अपेक्षित लाभ होंगे और इन डिब्बों के बढ़ाने से राजस्व वृद्धि में किस प्रकार मदद मिलेगी;
(ख) इस निर्णय से प्रतिमाह कितने अतिरिक्त यात्रियों को लाभ होने का अनुमान है;
(ग) इस पहल के लिए कुल बजट आवंटन कितना है और प्रत्येक डिब्बे और ट्रेन मार्ग का ब्यौरा क्या है; और
(घ) इन अतिरिक्त डिब्बों के उपयोग, दक्षता और यात्री-संतुष्टि की निगरानी के लिए मौजूद तंत्र का ब्यौरा क्या है और प्रमुख कार्य निष्पादक संकेतकों (केपीआई) की निगरानी की जाती है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) : भारतीय रेल सामान्य श्रेणी के यात्रियों सहित सभी श्रेणी के यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करती है और तदनुसार, मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना से संबंधित मौजूदा नीति के अंतर्गत सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक अकोमोडेशन मुहैया कराने के लिए, 22 सवारी डिब्बों वाली गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है।

अनारक्षित सवारी डिब्बों में अकोमोडेशन बढ़ाने और उनमें यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए, चालू वित्त वर्ष के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में 900 से अधिक सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े गए हैं। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 10,000 गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है। ऐसे उपायों से भारतीय रेल में सामान्य डिब्बों में यात्रा करने वाले अनारक्षित यात्रियों को सुविधा मिलती है। वर्तमान में भारतीय रेल प्रतिदिन लगभग 1.66 करोड़ अनारक्षित यात्रियों को यात्रा कराती है।

सवारी डिब्बों की गाड़ी-वार/मार्ग-वार वृद्धि के लिए बजट आबंटन का ब्यौरा नहीं रखा जाता है।

*****